an>

Title: Need to conduct a CBI enquiry into the supply of spurious drugs in Bihar.

**श्री ओम प्रकाश यादव (सीवान) :** अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार का ध्यान बिहार में बड़े पैमाने पर हो रहे दवा घोटाले की ओर दिलाना चाहता हूं। ...(व्यवधान) बिहार में वर्ष 2013 से सरकारी अस्पतालों में दवा आपूर्ति के लिए टेंडर जारी किया गया, जो 15 मार्च, 2013 से शुरू हुआ था। इस टेंडर के आलोक में बिहार सरकार ने 500 करोड़ रुपए की दवा खरीददारी की।...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** यह क्या हो रहा है?

â€¦(व्यवधान)

**श्री ओम प्रकाश यादव :** बिहार सरकार ने कई ऐसे कम्पनियों से दवा खरीदी, जो राज्य में पहले से ही ब्लैकलिस्टेड थे। उनके उत्पादन पर राजस्थान, तमिलनाडु और केरल राज्यों ने पहले से ही प्रतिबंध लगा रखे थे।...(व्यवधान) बिहार सरकार ने जिन कारणों से उन कम्पनियों से दवा और उपकरणों की खरीद की है, वह जांच का विषय है। ...(व्यवधान) बिहार के महालेखाकार ने दवा खरीददारी में लगभग 18 करोड़ रुपए की गड़बड़ी की रिपोर्ट बिहार सरकार को दी। ...(व्यवधान) माननीय हाई कोर्ट के आदेश पर स्वास्थ्य विभाग के सचिव की अध्यक्षता में कमेटी गठित की गई। ...(व्यवधान) कमेटी ने भी अपनी रिपोर्ट में दवा घोटाले को स्वीकार किया है। उन अधिकारियों का निलम्बन हुआ है। बिहार के अस्पतालों में दवा की बहुत कमी है। वहां रोगी दवा के अभाव में दम तोड़ रहे हैं। बिहार सरकार बहुत संवेदनशील मामले में गंभीर नहीं है। वह दोषियों को बचाने में लगी है। ...(व्यवधान)

अतः मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध करता हूं कि तत्काल प्रभाव से उसकी जांच सी.बी.आई. से कराई जाए एवं अस्पतालों में दवा आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

**माननीय अध्यक्ष :**

श्री अश्विनी कुमार चौबे और

श्री जनार्दन सिंह सीग्रीवाल को श्री ओम प्रकाश यादव द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।